समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

‘हनु मान’ के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा पर 20 करोड़ गबन का आरोप, 200 करोड़ हर्जाना का मामला सामने

Publisher

Published on 03 Nov 2025

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म ‘हनु मान’ के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा इन दिनों विवादों के घेरे में हैं। प्रोड्यूसर्स ने उन पर **20 करोड़ रुपये गबन** करने का आरोप लगाया है और 200 करोड़ रुपये का हर्जाना भी मांगा है। यह मामला फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा रहा है। लंबे समय तक चुप्पी साधे रहने के बाद अब प्रशांत वर्मा ने मीडिया के सामने अपना पक्ष रखा है।

बताया जा रहा है कि प्रशांत वर्मा ने फिल्म की शूटिंग के लिए प्रोड्यूसर्स से एडवांस राशि ली थी, लेकिन तय समय पर काम पूरा नहीं किया। प्रोड्यूसर्स का आरोप है कि उन्होंने इस वजह से फिल्म की रिलीज़ शेड्यूल प्रभावित हुई और उन्हें भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा। कहा जा रहा है कि इस मामले में वित्तीय नुकसान की राशि लगभग **200 करोड़ रुपये** बताई जा रही है।

फिल्म इंडस्ट्री में यह मामला तुरंत सुर्खियों में आ गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि प्रशांत वर्मा ने अपने करियर के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में निवेशकों के पैसे का दुरुपयोग किया। हालांकि, प्रशांत वर्मा ने अब मीडिया के सामने यह स्पष्ट किया कि उनके काम में देरी तकनीकी कारणों और अनपेक्षित परिस्थितियों की वजह से हुई। उन्होंने यह भी कहा कि प्रोड्यूसर्स द्वारा लगाए गए आरोपों में कई **भ्रम और गलतफहमियां** शामिल हैं।

प्रशांत वर्मा ने कहा, “मैंने हमेशा अपने काम में ईमानदारी दिखाई है। फिल्म की क्वालिटी और दर्शकों की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए काम करना मेरी प्राथमिकता रही है। देरी के कारण निवेशकों को जो परेशानी हुई, उसके लिए मैं जिम्मेदार हूँ, लेकिन गबन का आरोप सही नहीं है।”

विशेषज्ञों का मानना है कि बॉलीवुड में इस तरह के विवाद आम हैं, जहां फिल्म प्रोडक्शन और डायरेक्शन के बीच वित्तीय और तकनीकी मुद्दों पर टकराव हो जाता है। हालांकि इस मामले में 200 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगना असामान्य है और इसे **उच्च न्यायिक हस्तक्षेप** की आवश्यकता हो सकती है।

फिल्म 'हनु मान' को पहले ही अपने विवादित कंटेंट और प्रमोशन की वजह से सुर्खियों में देखा गया था। अब निर्देशक और प्रोड्यूसर्स के बीच चल रहे इस विवाद ने फिल्म की छवि पर भी असर डाला है। फिल्म समीक्षकों का कहना है कि अगर विवाद बढ़ता है, तो इससे फिल्म के व्यापारिक हितों पर असर पड़ सकता है।

कई इंडस्ट्री इनसाइडर्स का कहना है कि प्रशांत वर्मा के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है। निवेशकों और प्रोड्यूसर्स के बीच सामंजस्य बनाने के लिए उन्हें न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही, प्रशांत वर्मा को अपने पक्ष को सही ढंग से पेश करना होगा ताकि उनकी छवि और करियर को नुकसान न पहुंचे।

इस विवाद ने बॉलीवुड में एक बार फिर **फाइनेंशियल ट्रांसपेरेंसी** और **फिल्म प्रोडक्शन अनुबंधों** पर चर्चा छेड़ दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भविष्य में फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह के विवादों को कम करने के लिए **कड़े अनुबंध और निगरानी** की आवश्यकता है।

प्रशांत वर्मा ने मीडिया को बताया कि वह प्रोड्यूसर्स के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं और इस मामले को कानूनी दायरे में सुलझाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका मकसद विवाद को बढ़ाना नहीं, बल्कि फिल्म और सभी स्टेकहोल्डर्स के हितों की रक्षा करना है।

बॉलीवुड विशेषज्ञों का कहना है कि फिल्म 'हनु मान' के प्रोजेक्ट में यह विवाद अभी और चर्चा में रहेगा। फिल्म इंडस्ट्री के अन्य निर्देशक और प्रोड्यूसर्स इस मामले को बारीकी से देख रहे हैं। यह घटना इंडस्ट्री में **निर्देशकों और प्रोड्यूसर्स के बीच वित्तीय जिम्मेदारी** को लेकर गंभीर चेतावनी के रूप में भी सामने आई है।

इस तरह, प्रशांत वर्मा का यह विवाद बॉलीवुड के लिए सिर्फ मनोरंजन का मुद्दा नहीं बल्कि **वित्तीय अनुशासन और अनुबंध पालन** की चुनौती भी बन गया है। अब सबकी नजरें इस पर टिकी हैं कि यह मामला किस तरह हल होता है और फिल्म के भविष्य पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.